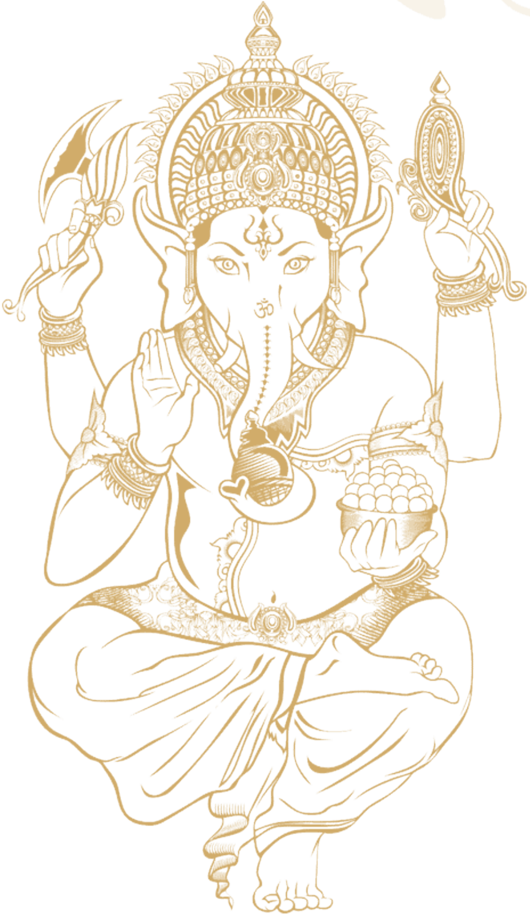

Mr. Visheshta Verma Pandit

07 Jun 1997

10:15 AM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119230402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/06/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	12:31:50 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:05:24 घंटे
वेलान्तर	00:01:12 घंटे
साम्पातिक काल	03:07:54 घंटे
सूर्योदय	05:14:16 घंटे
सूर्यास्त	19:02:45 घंटे
दिनमान	13:48:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:39:49 वृष
लग्न के अंश	28:17:19 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ASTROLOGER
SANJAY CHOUBEY
D-172 RAJAJIPURAM LUCKNOW
Mob : 9307777331

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:17:19	312:26:19	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	22:39:49	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	15:41:29	12:46:29	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	01:16:48	00:22:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृष	03:08:30	01:40:14	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			मक	28:06:27	00:00:32	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			मिथु	09:52:19	01:13:22	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	24:02:59	00:05:04	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	01:05:38	00:11:33	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	01:05:38	00:11:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:36:13	00:01:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:48:01	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:03:47	00:01:36	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	25:36:20	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:14

लग्न-चलित

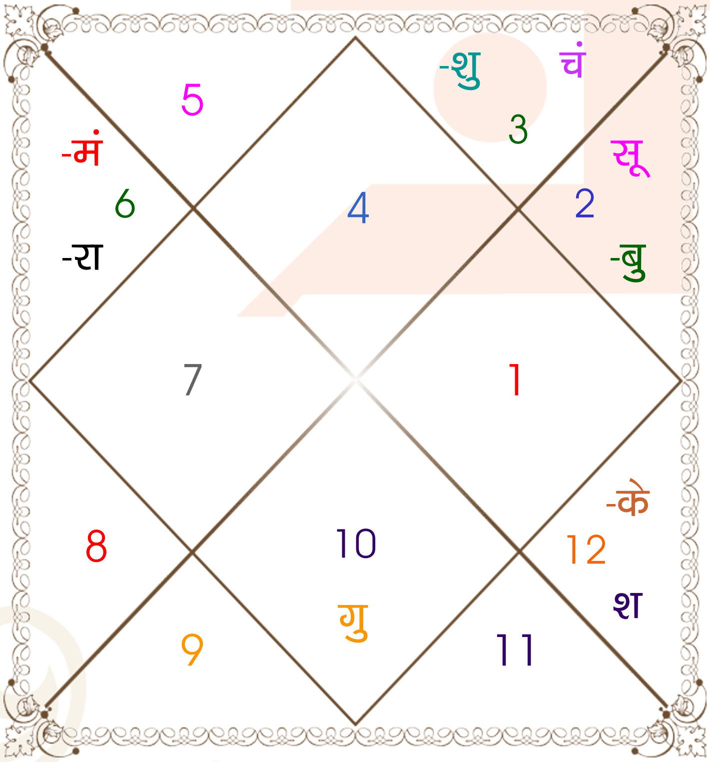

चन्द्र कुंडली

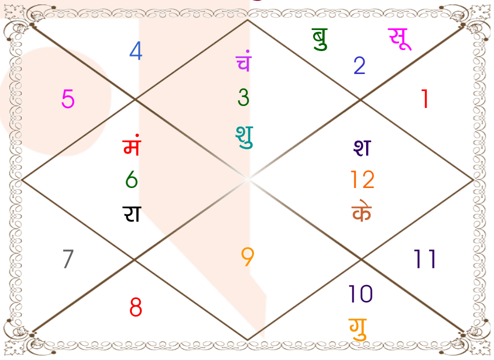

नवमांश कुंडली

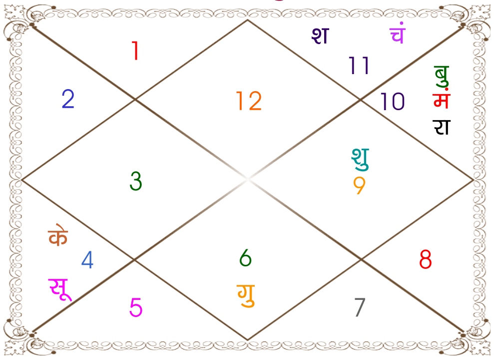

ASTROLOGER

SANJAY CHOUBEY

D-172 RAJAJIPURAM LUCKNOW

Mob : 9307777331

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 9 मास 24 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/06/1997		01/04/2003		01/04/2019		01/04/2038		01/04/2055	
01/04/2003		01/04/2019		01/04/2038		01/04/2055		01/04/2062	
	00/00/0000	गुरु	20/05/2005	शनि	04/04/2022	बुध	28/08/2040	केतु	29/08/2055
	00/00/0000	शनि	01/12/2007	बुध	12/12/2024	केतु	25/08/2041	शुक्र	28/10/2056
	00/00/0000	बुध	08/03/2010	केतु	21/01/2026	शुक्र	25/06/2044	सूर्य	05/03/2057
	00/00/0000	केतु	12/02/2011	शुक्र	23/03/2029	सूर्य	01/05/2045	चंद्र	04/10/2057
	07/06/1997	शुक्र	13/10/2013	सूर्य	05/03/2030	चंद्र	01/10/2046	मंगल	02/03/2058
शुक्र	19/10/1999	सूर्य	01/08/2014	चंद्र	04/10/2031	मंगल	28/09/2047	राहु	20/03/2059
सूर्य	12/09/2000	चंद्र	01/12/2015	मंगल	12/11/2032	राहु	16/04/2050	गुरु	24/02/2060
चंद्र	14/03/2002	मंगल	06/11/2016	राहु	19/09/2035	गुरु	22/07/2052	शनि	04/04/2061
मंगल	01/04/2003	राहु	01/04/2019	गुरु	01/04/2038	शनि	01/04/2055	बुध	01/04/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/04/2062		01/04/2082		01/04/2088		01/04/2098		02/04/2105	
01/04/2082		01/04/2088		01/04/2098		02/04/2105		00/00/0000	
शुक्र	01/08/2065	सूर्य	20/07/2082	चंद्र	30/01/2089	मंगल	28/08/2098	राहु	14/12/2107
सूर्य	01/08/2066	चंद्र	18/01/2083	मंगल	31/08/2089	राहु	16/09/2099	गुरु	09/05/2110
चंद्र	01/04/2068	मंगल	26/05/2083	राहु	02/03/2091	गुरु	23/08/2100	शनि	15/03/2113
मंगल	01/06/2069	राहु	19/04/2084	गुरु	01/07/2092	शनि	02/10/2101	बुध	02/10/2115
राहु	01/06/2072	गुरु	05/02/2085	शनि	30/01/2094	बुध	29/09/2102	केतु	20/10/2116
गुरु	31/01/2075	शनि	18/01/2086	बुध	02/07/2095	केतु	25/02/2103	शुक्र	08/06/2117
शनि	01/04/2078	बुध	25/11/2086	केतु	31/01/2096	शुक्र	26/04/2104		00/00/0000
बुध	30/01/2081	केतु	01/04/2087	शुक्र	01/10/2097	सूर्य	01/09/2104		00/00/0000
केतु	01/04/2082	शुक्र	01/04/2088	सूर्य	01/04/2098	चंद्र	02/04/2105		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्धतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।